an>

Title: Need to develop Rajgir in Bihar as a tourist place of international importance and take measures to include it in the list of World Heritage Sites.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा) : बिहार के गर्भ में इतिहास की अमूल्य धरोहरें हैं। उन्हीं में राजगीर एक ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व का स्थल है। यह कभी मगध साम्राज्य की राजधानी हुआ करती थी। यह स्थल कभी राजगृह, वसुमतिपुर, वृहदथपुर, गिरिबुज और कुशुनपुर आदि नाम से भी जाना जाता था। ऐसे जिक्र पौराणिक साहित्य में हैं। राजगीर ब्रह्मा जी की पवित्र यज्ञ-भूमि और संस्कृति और वैभव का केन्द्र तथा जैन तीर्थंकर महावीर और भगवान बुद्ध की साधना भूमि रही है। राजगीर का जिक्र ऋग्वेद, अथर्ववेद, तैत्तरीय उपनिषद, वायु पुराण, महाभारत, बाल्मीकि रामायण आदि में आता है। यह स्थल जरासंध, श्रेणिक, बिम्बिसार, कनिष्क आदि प्रसिद्ध शासकों का निवास स्थान था। ज्ञान की नगरी और प्राचीनतम विश्वविद्यालय नालंदा यहीं अविस्थित था। अतः इस ऐतिहासिक महत्व के स्थल राजगीर को राज्य सरकार अपने सीमित संसाधनों से विकसित तो कर रही है किन्तु इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन-स्थल के रूप में विकसित करने के लिए केंद्र सरकार का पूर्ण सहयोग अति आवश्यक है।

राजगीर पंच पहाड़ियों एवं घने जंगलों के बीच बसा हुआ है। यहाँ पर सभी दर्शनीय स्थलों यथा- गृद्धकूट पर्वत, वेणु-वन, स्वर्ण भण्डार गुफा, जैन मंदिर, तपोधर्म आश्रम, सत्पवर्णी गुफा, जीवकर्म, कर्णदा टैंक, मनियार मठ, मयका कुक्षी, रणभूमि, विश्वशांति स्तूप, पुराने दुर्ग के खण्डहर, बिम्बिसार कायगृह, जरासंध का अखाड़ा, पाण्डु पोखर, 52 गर्म जलस्रोत, लक्ष्मी नारायण मंदिर आदि का समुचित विकास होना है और मलमास मेले के लिए तीर्थ यात्रियों के लिए सभी प्रकार की व्यवस्था की जाये तो राजगीर देश के मानचित्र पर एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय तीर्थ स्थल एवं पर्यटन का केंद्र बनेगा। इससे वहाँ के स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि होगी, साथ ही, सरकार को भी राजस्व की कमाई होगी। राजगीर में एक अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय एवं पुस्तकालय स्थापित करने की भी आवश्यकता है। राजगीर को बौद्ध सर्किट से जोड़ने की भी आवश्यकता है। यहाँ काफी विदेशी पर्यटक साल भर आते रहते हैं। अतः वहाँ एक स्टेडियम और पर्यटन विभाग का पॉपुलर सितारा होटल खोलने की भी आवश्यकता है। राज्य सरकार काफी समय से नालंदा में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा विकसित करने की योजना केंद्र सरकार के पास भेज चुकी है।

अतः केंद्र सरकार राजगीर को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए सभी प्रकार की आर्थिक मदद प्रदान करे और इसे विश्व हैरीटेज साईट के लिए जो भी प्रक्रिया हो, अतिलंब प्रारम्भ करने की कृपा करे।